

बीएमपी की बढ़ रही बैचेनी-
जारी अनियमितताओं के विरुद्ध आवाज बुलंद करने पर बीएमपी की बैचेनी बढ़ रही है, वह चाहते हैं कि जो भी अस्पताल में रेलम, पेल चल रहा है उसकी खबरें मीडिया वाले प्रकाशित न करे और न ही अस्पताल आने, जाने का कष्ट करें। शायद यह कांसेस शासन काल में जारी इमरजेंसी की याद दिलाना चाहते हैं मीडिया वालों को, जब मीडिया को सत्यता के प्रकाशन पर प्रतिबंधित किया गया था, मगर बीएमपी आ पूल जाते हैं कि यह मोदी काल है इंडिया काल नहीं।